

(8)

संख्या 278/सं.क/03-70(सैनिक कल्याण)/2002 तददिनांक

एस. के. मुद्द

सचिव

उत्तरांचल शासन

सेवा में

निदेशक

सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास

उत्तरांचल देहरादून

सनाज कल्याण अनुभाग

देहरादून दिनांक ६/७ अक्टूबर 2003

विषय द्वितीय विश्व युद्ध पेंशन के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 2001/सं.क/डब्लू डब्लू-11/2003 दिनांक 29 जुलाई 2003 की ओर आपका ध्यान आकृष्ट करते हुये मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि शासन द्वारा सम्यक विचारान्तरान्त "द्वितीय विश्व युद्ध" पेंशन के सम्बन्ध में निम्न निर्णय लिये गये हैं:-

1- दिनांक 01 अप्रैल 2004 से, नये आवेदकों हेतु "द्वितीय विश्व युद्ध पेंशन" बन्द कर दी जाये।

2- बैंक/डाकघर से विशिष्ट अनुबन्ध किया जाये कि "द्वितीय विश्व युद्ध" पेंशन प्राप्तकर्ता की मृत्यु पश्चात् उसके ज्ञाते में अवशेष धनराशि का भुगतान, उनके द्वारा सम्बन्धित जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी को यथाशीघ्र कर दिया जाये।

3- "द्वितीय विश्व युद्ध" पेंशनर की मृत्यु के समय उसके ज्ञाते में अवशेष धनराशि का भुगतान जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी को यथाशीघ्र कर दिया जाये।

4- नये आवेदकों हेतु "द्वितीय विश्व युद्ध" पेंशन को बन्द किये जाने (अर्थात् निधि) से पूर्ण समस्त जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारियों द्वारा इसका वृहत्त प्रचार-प्रसार किया जायगा।

आज्ञा

(एस. के. मुद्द)

सचिव

६/७

संख्या संख्या 278/सं.क-03-70(सैनिक कल्याण)/2002 तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित का सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यावाही हेतु प्रेषित

- 1 निजी सचिव मा मुख्य मंत्री उत्तरांचल।
- 2 निजी सचिव मा मंत्री सैनिक कल्याण उत्तरांचल।
- 3 सचिव, केन्द्रीय सैनिक बोर्ड, भारत सरकार, रक्षा मंत्रालय, आर. व. भुवनेश्वर दिल्ली।
- 4 आयुक्त गढ़वाल एवं काशी गण्डक उत्तरांचल।
- 5 समस्त जिलाधिकारी उत्तरांचल।
- 6 समस्त गरीब व अधिकारी/कोषाधिकारी उत्तरांचल।
- 7 गिरा अनुभाग-2
- 8 गार्ड फाईल

आज्ञा

६/७

(एस. के. मुद्द)

सचिव